नया घर

मुताल्लिक़ा जद्दोजहद

मसरूफ़-दिल ~ **रिफ़ाक़त कहाँ है?**

मख़्सूसियत ~ **क्या कोई जगह रूहानी हो सकती है? ख़ुदा की फ़राहमी की ख़ुशी मनाओ!**

फ़ानी ~ 🙏🙏 ***ऐ ख़ुदावन्द, अबदी की चाह हम में जगा!***

एक प्यारी मुलाक़ात

मुताल्लिक़ा जद्दोजहद

पहचान ~ **दिल की ख़्वाहिश और मुहब्बत का आइना: किसका अक्स दिखता है?**

हुदूद ~ **जिस्मानी कशिश की आग तेज़ जलती है, मगर उसे पुख़्ता ’अहद का चूल्हा चाहिए**

हम-आहंगी ~ **मुनासिब मददगार या मुख़ालिफ़?**

पैदल सफ़र
मुताल्लिक़ा जद्दोजहद
साबित क़दम! ~ सफ़र आगे ही बढ़ता जाता है।
जुड़ो ~ हवा को महसूस करो, साँस लो, रूह को पहचानो।
पाक करो ~ वीराने में ख़ुदा का बड़ा काम मुझे कैसे ढालता है?

डेरा डालना
मुताल्लिक़ा जद्दोजहद
कुशादगी ~ ख़ुदा की कारीगरी और हुस्न देखो
मु’आफ़ी ~ ख़ैमे और ख़ुलूस
आराम ~ इस ’आरिज़ी ख़ैमे में क़ुर्बत और मा’नी की ख़ुशी मनाओ

काम का पहला दिन
मुताल्लिक़ा जद्दोजहद
मिशन पर ~ मैं किसकी ख़िदमत कर रहा हूँ?
ग़ुरूर ~ ख़ुद-ग़रज़ फ़िक्र या ख़ुदा-बेज़ार ख़ुदकफ़ालत का डगमगाना
रहनुमाई ~ शागिर्द उस्ताद के ख़यालात और 'आमाल पर ग़ौर करते हैं।

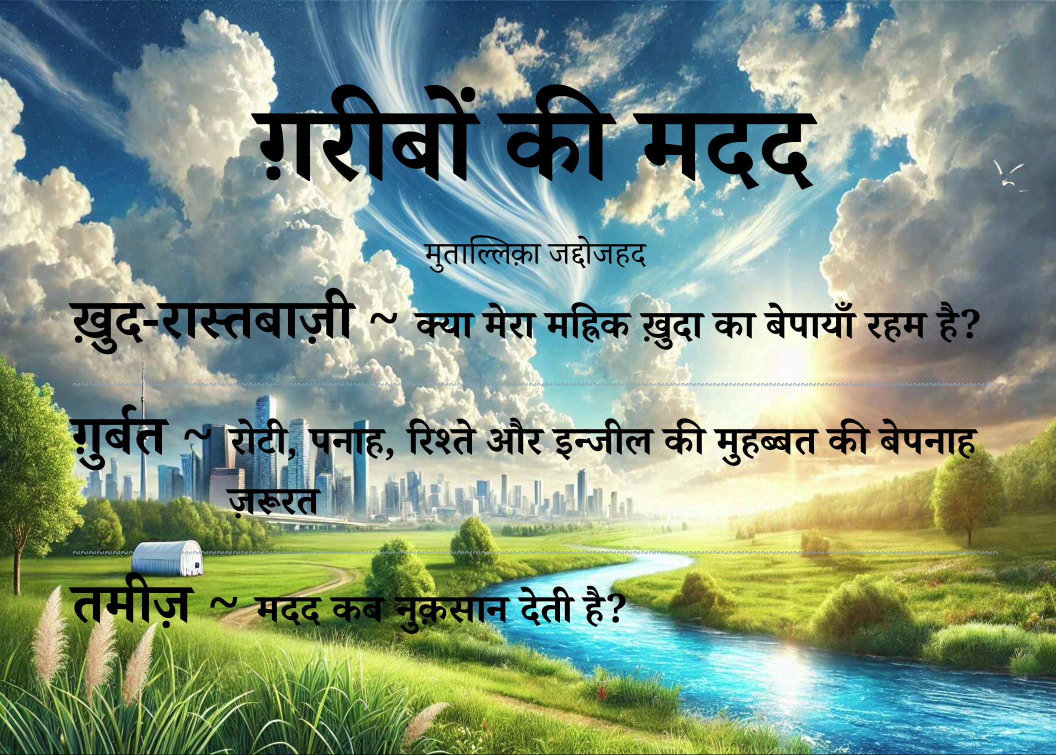
ग़रीबों की मदद
मुताल्लिक़ा जद्दोजहद
ख़ुद-रास्तबाज़ी ~ क्या मेरा मह्लिक ख़ुदा का बेपायाँ रहम है?
ग़ुर्बत ~ रोटी, पनाह, रिश्ते और इन्जील की मुहब्बत की बेपनाह ज़रूरत
तमीज़ ~ मदद कब नुक़सान देती है?

बे-दुआ

मुताल्लिक़ा जद्दोजहद

हुज़ूरी ~ **अगर मैं सीधा-सच्चा नहीं, तो क्या ख़ुदा वाक़’ई सुनेगा?**

बे-परवाही ~ **क्या दुआ करनी ही होगी? गुनाह नहीं चाहता कि मैं दुआ करूँ।**

ज़ख़्मी ~ **बयान से बाहर आहें**

सनद का दिन

मुताल्लिक़ा जद्दोजहद

हिक्मत ~ **कौन से फ़ैसले और ’इल्म ज़िन्दगी की पुरसुकून फ़लाह तक ले जाते हैं? “शालोम!”**

ईमान ~ **आगे बढ़ना, अगली ज़िन्दगी की तरफ़**

दोस्ती ~ **ख़ुशी किस बात की?!**

शुक्राने का दिन

मुताल्लिक़ा जद्दोजहद

मसरूफ़ ~ और खाना, ख़ानदान और अच्छे लम्हे!

मुहब्बत ~ “मुबारक! अज़ीम देनेवाले के नाम”

शुक्रगुज़ारी ~ मुनज़्ज़म कायनात इलाही कारीगरी की तारीफ़ करती है। फिर मेरा दिल क्यों सुस्त है?

तुझे माल, शोहरत और इज़्ज़त मिली

मुताल्लिक़ा जद्दोजहद

दुनियावी ~ **जो चमकता है, वो सब नेक नहीं।**

भटका हुआ ~ **तेरा दिल कहाँ है?**

सख़ी ~ **मसीह ने आसमान का जलाल छोड़ा — हमारे लिए।**

मुख़ालिफ़ आ पहुँचे

मुताल्लिक़ा जद्दोजहद

ग़ुस्सा ~ मेरी ज़िन्दगी पर किसका इख़्तियार है?

समझ ~ महरबानी इतनी मुश्किल क्यों है?

मु’आफ़ी ~ ख़ुदा की मुहब्बत और सलामती कैसी दिखती है?

बर्तनों का ढेर

मुताल्लिक़ा जद्दोजहद

पाकीज़गी ~ **पाक करनेवाली रियाज़तें मददगार हैं!**

क़ना'अत ~ **मैं आसमान की तरजीहात के लिए जद्दोजहद कर रहा हूँ या अपनी?**

'आजिज़ी ~ **ईसा क्या करते?**